"**The Necklace**" by Guy de Maupassant is a powerful short story that explores the themes of vanity, pride, appearance versus reality, and how one moment of desire can change the course of an entire life.

The story revolves around a woman named **Mathilde Loisel**, who is beautiful, sensitive, and dreams of a luxurious lifestyle. She believes she is born for comfort, riches, and high social status. However, she is married to **Monsieur Loisel**, a simple and hardworking clerk in the Ministry of Education. Their life is modest and financially narrow, which constantly disappoints Mathilde.

One day, Loisel comes home happily holding an **invitation to a grand ball** at the Minister's residence. He hopes this will delight Mathilde, but instead she becomes upset. She has *nothing beautiful or fashionable to wear*, and she doesn't want to appear poor among elegant women. Wanting to keep her happy, Loisel **sacrifices his savings** — originally meant to buy a hunting gun — and gives her four hundred francs to buy a new dress.

Even after getting the dress, Mathilde is still unhappy. She says she has **no jewelry**, and without it she would look poor. Her husband suggests she borrow something from her wealthy friend, **Madame Forestier**. Mathilde visits her and chooses a stunning **diamond necklace**.

On the night of the ball, Mathilde feels like the most beautiful woman in the room. Ministers admire her, women envy her, and she dances till 4 AM. She becomes everything she ever wanted to be — admired, respected, and elegant.

However, fortune turns suddenly when she returns home and discovers that the necklace is **missing**. They search everywhere but fail to find it. Afraid of humiliation and Madame Forestier's anger, the Loisels decide to **replace the necklace** rather than confess the truth. They find a similar necklace in a jewelry shop that costs **thirty-six thousand francs** — more money than they can afford.

Loisel mortgages his future by taking **huge loans**, borrowing money from every possible source, and sacrificing everything. They buy the replacement and return it to Madame Forestier without revealing the loss.

Now begins a life of **misery**. Mathilde's beauty fades due to harsh labor — she cooks, washes, scrubs floors, and lives like a poor household worker. Loisel works extra hours. Ten long years pass while they painfully repay their debts.

One Sunday, Mathilde meets Madame Forestier, who is still youthful while Mathilde looks old and worn out. Feeling overwhelmed with the bitterness of life, Mathilde reveals the truth — how she lost the necklace and suffered for ten years to replace it.

In shock, **Madame Forestier** grabs Mathilde's hands and says something heartbreaking:

*"Oh! My poor Mathilde! But mine was **fake**. It was worth **no more than five hundred francs**!"*

The story ends with a tragic twist: **a fake necklace destroyed ten years of their life**. The tale leaves a deep lesson — **pride and desire for appearances can lead to downfall**. It teaches us to be honest and content with what we have instead of pretending to be something we are not.

MGS Bhuwaneri

गाइ डे मौपासेंट की “द नेकलेस” एक दमदार छोटी कहानी है जो घमंड, गर्व, दिखावे बनाम असलियत जैसे विषयों को दिखाती है, और यह भी कि कैसे एक पल की चाहत पूरी ज़िंदगी का रास्ता बदल सकती है।

कहानी मैथिल्डे लोइसेल नाम की एक औरत के इर्द-गिर्द घूमती है, जो सुंदर, सेंसिटिव है और एक लग्ज़री लाइफस्टाइल का सपना देखती है। उसे लगता है कि वह आराम, पैसे और ऊँचे सोशल स्टेटस के लिए पैदा हुई है। हालाँकि, उसकी शादी शिक्षा मंत्रालय में एक सीधे-सादे और मेहनती क्लर्क, मॉन्सियर लोइसेल से होती है। उनकी ज़िंदगी सादी और पैसे की तंगी वाली है, जिससे मैथिल्डे लगातार निराश होती रहती है।

एक दिन, लोइसेल खुशी-खुशी मिनिस्टर के घर पर एक ग्रैंड बॉल का इनविटेशन लेकर घर आता है। उसे उम्मीद है कि इससे मैथिल्डे खुश होगी, लेकिन इसके बजाय वह परेशान हो जाती है। उसके पास पहनने के लिए कुछ भी सुंदर या फैशनेबल नहीं है, और वह खूबसूरत औरतों के बीच गरीब नहीं दिखना चाहती। उसे खुश रखने के लिए, लोइसेल अपनी सेविंग्स – जो असल में शिकार की बंदूक खरीदने के लिए थी – कुर्बान कर देता है और उसे एक नई ड्रेस खरीदने के लिए चार सौ फ्रैंक देता है।

ड्रेस मिलने के बाद भी, मैथिल्डे दुखी है। वह कहती है कि उसके पास कोई ज्वेलरी नहीं है, और उसके बिना वह गरीब दिखेगी। उसका पति उसे अपनी अमीर दोस्त, मैडम फॉरेस्टियर से कुछ उधार लेने का सुझाव देता है। मैथिल्डे उससे मिलने जाती है और एक शानदार डायमंड नेकलेस चुनती है। बॉल की रात, मैथिल्डे को लगता है कि वह कमरे में सबसे खूबसूरत औरत है। मिनिस्टर उसकी तारीफ़ करते हैं, औरतें उससे जलती हैं, और वह सुबह 4 बजे तक डांस करती है। वह वह सब बन जाती है जो वह बनना चाहती थी — तारीफ़, इज्ज़त और खूबसूरत।

हालांकि, किस्मत अचानक बदल जाती है जब वह घर लौटती है और उसे पता चलता है कि नेकलेस गायब है। वे हर जगह ढूंढते हैं लेकिन उसे नहीं ढूंढ पाते। बेइज्जती और मैडम फॉरेस्टियर के गुस्से के डर से, लोइसेल परिवार सच कबूल करने के बजाय नेकलेस बदलने का फैसला करता है। उन्हें एक ज्वेलरी शॉप में वैसा ही एक नेकलेस मिलता है जिसकी कीमत छत्तीस हज़ार फ्रैंक होती है — यह उनकी हैसियत से ज़्यादा पैसे हैं।

लोइसेल भारी लोन लेकर, हर मुमकिन जगह से पैसे उधार लेकर, और सब कुछ कुर्बान करके अपना भविष्य गिरवी रख देता है। वे नया हार खरीदते हैं और नुकसान बताए बिना मैडम फॉरेस्टियर को लौटा देते हैं।

अब दुख भरी ज़िंदगी शुरू होती है। मैथिल्डे की खूबसूरती मेहनत-मज़दूरी की वजह से फीकी पड़ जाती है — वह खाना बनाती है, कपड़े धोती है, फ़र्श साफ़ करती है, और एक गरीब घरेलू काम करने वाली की तरह रहती है। लोइसेल ज़्यादा घंटे काम करती है। दस लंबे साल बीत जाते हैं और वे दर्द से अपना कर्ज़ चुकाते हैं।

एक रविवार, मैथिल्डे मैडम फॉरेस्टियर से मिलती है, जो अभी भी जवान है जबकि मैथिल्डे बूढ़ी और थकी हुई दिखती है। ज़िंदगी की कड़वाहट से परेशान होकर, मैथिल्डे सच बताती है — कैसे उसने हार खो दिया और उसे बदलने के लिए दस साल तक तकलीफ़ झेली। हैरान होकर, मैडम फॉरेस्टियर मैथिल्डे का हाथ पकड़ती हैं और दिल तोड़ने वाली बात कहती हैं: “ओह! मेरी बेचारी मैथिल्डे! लेकिन मेरा तो नकली था। उसकी कीमत पाँच सौ फ्रैंक से ज़्यादा नहीं थी!”

कहानी एक दुखद मोड़ पर खत्म होती है: एक नकली हार ने उनकी ज़िंदगी के दस साल बर्बाद कर दिए। यह कहानी एक गहरी सीख देती है — घमंड और दिखावे की चाहत बर्बादी की वजह बन सकती है। यह हमें सिखाता है कि हम जो हैं, उसके प्रति ईमानदार और संतुष्ट रहें, न कि कुछ ऐसा होने का दिखावा करें जो हम नहीं हैं।

Short Answer Questions

Q1. Why was Mathilde Loisel unhappy with her life?
Ans. Mathilde always dreamt of a luxurious and wealthy lifestyle. She felt she deserved comfort and riches, but her ordinary middle-class life made her feel dissatisfied and unhappy.
Q1. मैथिल्डे लोइसेल अपनी ज़िंदगी से नाखुश क्यों थी?
जवाब: मैथिल्डे हमेशा एक लग्ज़री और अमीर लाइफस्टाइल का सपना देखती थी। उसे लगता था कि वह आराम और दौलत की हकदार है, लेकिन उसकी आम मिडिल-क्लास ज़िंदगी उसे नाखुश और दुखी महसूस कराती थी।

Q2. Why did Monsieur Loisel bring the invitation from the Minister’s residence?
Ans. He thought it would make Mathilde happy as she longed for a glamorous social life. He expected the ball invitation to please her greatly.
Q2. मॉन्सियर लोइसेल मिनिस्टर के घर से इनविटेशन क्यों लाए थे?
जवाब: उन्हें लगा कि इससे मैथिल्डे खुश हो जाएगी क्योंकि वह एक ग्लैमरस सोशल लाइफ चाहती थी। उन्हें उम्मीद थी कि बॉल इनविटेशन से वह बहुत खुश होगी।

MGS Bhuwaneshwari

Q3. Why did Mathilde not want to go to the ball after getting the invitation?
Ans. She had no elegant dress or jewelry to wear. She feared she would look poor among rich women and feel embarrassed.
Q3. इनविटेशन मिलने के बाद मैथिल्डे बॉल में क्यों नहीं जाना चाहती थी?
जवाब: उसके पास पहनने के लिए कोई शानदार ड्रेस या ज्वेलरी नहीं थी। उसे डर था कि वह अमीर औरतों के बीच गरीब दिखेगी और शर्मिंदा महसूस करेगी।

Q4. How did Loisel arrange money for Mathilde’s dress?
Ans. Loisel sacrificed the savings he had kept to buy a hunting gun. He gave the money to Mathilde so she could buy a beautiful dress.
Q4. लोइसेल ने मैथिल्डे की ड्रेस के लिए पैसे का इंतज़ाम कैसे किया?
जवाब: लोइसेल ने शिकार करने के लिए बंदूक खरीदने के लिए अपनी सेविंग्स कुर्बान कर दीं। उसने पैसे मैथिल्डे को दे दिए ताकि वह एक सुंदर ड्रेस खरीद सके।

Q5. From where did Mathilde get the jewelry?
Ans. She borrowed a dazzling diamond necklace from her wealthy friend, Madame Forestier.
Q5. मैथिल्डे को ज्वेलरी कहाँ से मिली?
जवाब: उसने अपनी अमीर दोस्त मैडम फॉरेस्टियर से एक चमकदार हीरे का हार उधार लिया।

Q6. How did Mathilde feel at the ball?
Ans. She felt extremely happy and confident. People admired her beauty and elegance. It was the most glorious moment of her life.
Q6. मैथिल्डे को बॉल में कैसा लगा?
जवाब: वह बहुत खुश और कॉन्फिडेंट महसूस कर रही थी। लोगों ने उसकी सुंदरता और शान की तारीफ़ की। यह उसकी ज़िंदगी का सबसे शानदार पल था।

Q7. What happened when Mathilde returned from the ball?
Ans. She realized the diamond necklace was missing. Despite great efforts to find it, the couple failed to locate it.
Q7. जब मैथिल्डे बॉल से लौटी तो क्या हुआ?
जवाब: उसे पता चला कि हीरे का हार गायब है। उसे ढूंढने की बहुत कोशिशों के बाद भी, कपल उसे ढूंढ नहीं पाया।

Q8. How did the Loisels manage to replace the necklace?
Ans. They bought a similar necklace for 36,000 francs by taking heavy loans and mortgaging their future, leading to years of extreme poverty.
Q8. लोइसेल्स ने हार कैसे बदला?
जवाब: उन्होंने भारी लोन लेकर और अपना भविष्य गिरवी रखकर 36,000 फ़्रैंक में वैसा ही एक हार खरीदा, जिससे वे कई सालों तक बहुत ज़्यादा गरीबी में रहे।

Q9. How did Mathilde’s life change after losing the necklace?
Ans. Mathilde had to do hard household labor, lost her beauty, and lived in poverty for ten years while repaying the debts.
Q9. हार खोने के बाद मैथिल्डे की ज़िंदगी कैसे बदल गई?
जवाब: मैथिल्डे को घर में मेहनत करनी पड़ी, उसकी सुंदरता चली गई, और कर्ज चुकाते हुए वह दस साल तक गरीबी में रही।

Q10. What was the shocking revelation at the end of the story?
Ans. Madame Forestier revealed that the original necklace was fake and worth only 500 francs. The Loisels suffered needlessly for ten years due to their pride.
Q10. कहानी के आखिर में चौंकाने वाला खुलासा क्या हुआ?
जवाब: मैडम फ़ॉरेस्टियर ने बताया कि असली हार नकली था और उसकी कीमत सिर्फ़ 500 फ़्रैंक थी। लोइसेल्स ने अपने घमंड की वजह से दस साल तक बेवजह तकलीफ़ सही।

MGS Bhuwakhedi